

हाल पुं. (अर.) 1. दशा, स्थिति 2. समाचार, वृत्तांत 3. वर्तमान के समय में निकट भूत काल में जैसे- हाल में ही उनका देहावसान हुआ है टि. अरबी में हाल का बहुवचन 'अहवाल' होता है पुं. (फा.) 1. चौगान (पोलो) के खेल की गेंद 2. चौगान के खेल में गोल पोस्ट के खंभे 3. चौगान का खेल 4. मंडल 5. चंद्रमा/सूर्य के चारों ओर कभी-कभी दिखने वाला गोल घेरा 6. लकड़ी के पहिए पर चढ़ाया जाने वाला लोहे का घेरा या पट्टा (अं.) बड़ा कमरा, विशाल कक्ष (तद्.) 1. हल 2. बलराम 3. सम्राट शालिवाहन का एक नाम स्त्री. (देश.) हिलने से होने वाला कंपन या झटका।

हालक पुं. (तत्.) वह घोड़ा जिसका रंग हल्का हरा-पीला या पीला-भूरा होता है।

हाल-गोला पुं. (देश.) खेलने की गेंद।

हाल-चाल पुं. (अर.+तद्.) 1. हाल, दशा 2. समाचार, वृत्तांत।

हाल-डाल स्त्री. (देश.) 1. हिलने-डुलने की क्रिया 2. गति 3. कंप।

हालत स्त्री. (अर.) दे. हाल मुहा. हालत पतली होना- बुरा हाल होना अ.क्रि. (तद्.) हिलता हुआ, काँपता हुआ।

हालना अ.क्रि. (तद्.) हिलना, काँपना, झूलना।

हालरा पुं. (देश.) 1. झोंका, झटका 2. तरंग, हिलोर 3. छोटे बच्चों को हाथों पर झूलाने की क्रिया।

हालरु पुं. (देश.) झूला, पालना।

हालरौ पुं. (तत्.) दे. हालरू।

हाल-हवाल पुं. (अर.) सभी प्रकार के हाल चाल टि. हाल और अहवाल को मिलाकर यह शब्द बना है, हाल का बहुवचन अहवाल होता है, अतः समग्रता के अभिप्राय से 'हाल-हवाल' शब्द का प्रयोग होता है उदा. अली कली ही सों बिधयो, आगे कौन हवाल -बिहारी।

हाल-हूल पुं. (अर.) 1. दे. हाल टि. 'हूल' शब्द अनुरणन के रूप में प्रयुक्त है 2. हल्ला-गुल्ला, हलचल।

हाला स्त्री. (तत्.) शराब, मदिरा, सोमरस पुं. (तद्.) 1. हल 2. खेती पर लगने वाला कर, लगान।

हालात पुं. (अर.) 'हालत' का बहु. दे. हालत, स्थितियाँ, परिस्थितियाँ।

हालावाद पुं. (तत्.) काव्य. व्यक्तिवादी काव्य का एक प्रकार जिसमें कवि क्षणवादी दृष्टि से प्रेम में अतिभावुकता, तल्लीनता, शराब से उत्पन्न नशा, उसके प्रतीक चिह्नों का चिंतन इत्यादि विषयों का सरस वर्णन करता है, कुछ आलोचकों के मत में इस प्रकार का वर्णन वासना या निराशा के अतिरेक के कारण किया जाता है परंतु अन्य विद्वान इस काव्य में भी प्रबोधन या जागरण का भाव देखते हैं टि. हिंदी में इस प्रकार के काव्य के प्रतिनिधि कवि डॉ. हरिवंशराय बच्चन माने जाते हैं, अन्य कवियों में बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', भगवतीचरण वर्मा, रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' इत्यादि का नाम लिया जा सकता है, बीसवीं शताब्दी के चौथे-पाँचवे दशक में इस प्रकार का काव्य अधिक लिखा गया है।

हालाहल पुं. (तत्.) 1. पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन से प्राप्त चौदह रत्नों में से पहला रत्न जो भयंकर विष के रूप में है, शिव ने लोक कल्याण के लिए इसे पी लिया था 2. एक विषैला पौधा जिसकी जड़ अत्यधिक जहरीली होती है 3. एक विषैली छिपकली उदा. 'अमिय हलाहल मद भरे, श्वेत श्याम, रतनार' -रसलीन।

हालाहली स्त्री. (तत्.) शराब, मदिरा वि. (तद्.) विषैला, जहरीला स्त्री. (देश.) जल्दबाजी, शीघ्रता।

हालिम पुं. (फा.) हलाम) एक छोटा पौधा जिसके काले रंग के बीज ओषधीय होते हैं टि. संस्कृत में इसे चनसुर, चंद्रसूर, चंद्रशूर, भद्रा भी कहते हैं।

हाली पुं. (तत्.) हल जोतने वाला, कृषक वि. (अर.) हाल ही का, अभी कुछ समय पूर्व का क्रि.वि. (देश.) जल्दी।

हालों पुं. दे. हालिम।